सम्यक् ज्ञानपीठ, उदयपुर द्वारा संचालित

महावीर अम्बेश गुरु महाविद्यालय

सेठ श्री छगनलाल जैन शिक्षण परिसर

राज. कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय के पास, पुराना बाजार फतहनगर, उदयपुर (राज.)

फोन : 02955-220809, 294402

B.A.

B.Sc.

B.Com.

B.C.A.

PROSPECTUS

2022-23

College Information Bulletin

राजस्थान सरकार से स्थायी मान्यता प्राप्त एवं
मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर से सम्बद्ध

विवरणिका 2022-23

मूल्य : 150₹
(प्रवेश आवेदन पत्र सहित)

प्रकाशक :
प्राचार्य,महावीर अम्बेश गुरु महाविद्यालय
फतहनगर (उदयपुर)-313205
फोन : (02955) 220809, 294402
(0294) 2421787

मो. 9414343805
8696243805

Email :-
magcollegefatehnagar@gmail.com
mrcollegefnr@gmail.com

Website :-
www.magcollege.com

Also follow us on :-

mag_college_fatehnagar
samyak_gyanpeeth

SamyakGyanPeeth

।। ॐ श्री महावीराय नमः ।।

नमस्कार महामन्त्र

णमो अरिहंताणं,
णमो सिद्धाणं,
णमो आयरियाणं,
णमो उवज्झायाणं,
णमो लोए सव्वसाहूणं।

एसो पंचणमुक्कारो, सव्वपावप्पणासणो।
मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं हवइ मंगलं।।

पाथेय

हमें ऐसे बालकों का निर्माण करना है,
जिनके चेहरे पर आभा, शरीर में बल
मन में प्रचण्ड इच्छा शक्ति, बुद्धि में पांडित्य
जीवन में स्वावलम्बन,
हृदय में शिवा, प्रताप, ध्रुव एवं प्रहलाद की
जीवन गाथाएँ अंकित हो
और जिन्हें देखकर
महापुरूषों की स्मृतियाँ झंकृत हो उठें।

- स्वामी विवेकानन्द

सम्यक् ज्ञानपीठ के संस्थापक कर्मयोगी आदरणीय श्री वीरचन्द जी मेहता

ओ कर्मयोगी !

हर वक्त चिंतन था, काम ही काम का
आपको मिला प्यार, सारे जहाँ का
हरक्षण सदा, समर्पित रहा सृजन को
और दीनों, उपेक्षितों के जीवन को
ओ कर्मयोगी !
अनभिज्ञ सदा ही रहे, आप अपने ही 'स्व' से
यश की गरिमा को अर्जित कर
बने रहे शिशु सरल, निपट भोले
जैसे शंकर !
सोच रहा हूँ, मानव थे?
जगत के नभमण्डल में
अमर ज्योति ज्यों सतत् जलेंगे
कार्यो के ये दीप समुज्ज्वल
काल की झंझा जिन्हें नही बुझा पायेगी
सदा भविश्यत गर्व करेगा, आप पर,
यशः कीर्ति की गाथा गाकर
ओ कर्मयोगी !
चरणों में शत् शत् नमन.

– गजेन्द्र मेहता

संस्थान के संस्थापक श्री वीरचन्द जी मेहता ने प्रारम्भ से ही कठिन समय देखा। बाल्यकाल में ही आपके पिताजी की छत्र छाया उठ जाने पर जैसे–जैसे अपनी शिक्षा को पूर्ण करके आपने साधुमार्गी जैन संघ की शिक्षण संस्था में 15 वर्षों तक शिक्षक के रुप में सेवाएँ दी। उस दौरान श्रेष्ठ कार्यों तथा संस्था के विकास में महत्वपूर्ण सहयोग देने के लिए आपको कई बार संस्था व समाज स्तर पर सम्मानित किया गया।

अपनी ऊर्जा को नया अध्याय देने के लिए 1973 में आपने 'सम्यक् ज्ञानपीठ' की स्थापना की। इसके विकास के लिए संस्थापक जी ने तन–मन–धन अपना सब कुछ लगा दिया। स्वयं के तथा परिवार के अनेक कष्टों का सामना करते हुए, कई वर्षों के संघर्ष से तथा अपने शुभचिंतकों के महत्वपूर्ण सहयोग से आपने संस्था को वटवृक्ष का रुप दिया, जो आज हम सबके सामने है।

आपके संघर्ष व कार्यों को याद करते हुए सभी सहयोगी, प्रबन्ध पदाधिकारी, सदस्य व कार्यकर्ताओं के सहयोग से यह संस्था और आगे विकासमान रहेगी। ''स्व चिंतन'' की जगह ''पर चिंतन'' को ही धारण करने वाले ऐसे महान व्यक्तित्व को हम सभी नमन करते है।

–सम्यक् ज्ञानपीठ उदयपुर के सभी सदस्य व कार्यकर्ता

आपका विद्यार्थी जीवन

संचालक की कलम से...

विद्यार्थियों, महाविद्यालय में आप सभी का स्वागत। पिछले दो वर्षों में हम सब प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप में कोरोना महामारी से बहुत प्रभावित हुए थे। इस महामारी के विरुद्ध व्यापक टीकाकरण हो जाने से अब इसका बड़ा हानिकारक प्रभाव लगभग समाप्ति की तरफ है। फिर भी सरकार द्वारा सावधानी रखने की सलाह दी गई है, जिसका सभी को अवश्य ही पालन करना है। दूसरी तरफ आजकल कोरोना से कई अधिक घातक विभिन्न वायरस हमारे व्यक्तिगत–पारिवारिक–सामाजिक जीवन को जहरीला बना रहे है, जिस हेतु हमें तत्काल जागृत होने की आवष्यकता है। प्रकृति का नियम है कि ध्वनि की ही प्रतिध्वनि पैदा होती है। जैसा बीज–वैसा फल, नियमित मेहनत अनुसार सफलता, अपनापन व सहयोग से मित्रता, बुरे व्यवहार से शत्रुता, विनम्रता पर आशीर्वाद आदि। आप अपने माता–पिता और बड़ों को प्रतिदिन प्रातः प्रणाम करके देखो, उनका आशीर्वाद और व्यवहार ही आपमें दिन भर की ऊर्जा भर देगा। जीवन में अच्छी बातें अपनाने की कोई उम्र नहीं होती। आज से ही प्रारंभ करें–विनय।

आप युवाओं के लिए एक प्रश्न है – आप भविष्य की कल्पना करते हुए सोचें कि यदि आने वाले समय में विवाह उपरान्त आपके पुत्र–पुत्री हों और वे बड़े होने पर सिगरेट, गुटखा, शराब आदि का उपयोग करें, चरित्र से तथाकथित एडवांस हो, व्यवहार में कड़वे हो– क्या आप उनसे खुश रह सकोगे ? यदि आपका उत्तर है – 'नहीं', तो आप में भी ऐसे लक्षण नहीं होने चाहिए। परिवार हो या समाज, सभी को खुशबू ही पसन्द है, बदबू से सभी दूर भागते हैं। आप भी निश्चय कर लें कि किसी भी तरह की बदबू आप में नहीं हो। जीवन में सफलता के कीर्तिमान अधिक भव्य तथा स्थायी तभी बनते हैं, जब आपके व्यक्तिगत जीवन की नींव भी मजबूत हो। यह जीवन में खुशियाँ की प्रथम आवश्यकता है। अन्यथा आर्थिक प्रगति भी परिवार में सुख नहीं दे पाती है।

हमारे भारत का अतीत बहुत गौरवशाली रहा है, अब पुनः एक गौरवशाली भविष्य लिखने का समय आ रहा है। जैसे आजादी के आंदोलन में प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से देश का हर जन मानस जुड़ा था, उसी प्रकार मेरे विचार से भ्रष्टाचार तथा व्यसन जैसे कठिन विषयों के संदर्भ में हमें ''नागरिक आन्दोलन'' को प्रेरित करना पड़ेगा। इतिहास के पन्नों का कटु सत्य देखें तो भ्रष्टाचार तथा व्यसनों के कारण ही हमारी संस्कृति का पतन हुआ और हम लम्बे समय तक गुलाम बने। अतः देश के नागरिक निश्चय करें–''मैं जीवन में भ्रष्टाचार तथा व्यसन नहीं करूंगा''। इस संदर्भ में भ्रष्टाचार से मुक्ति एवं व्यसन त्याग की शुरूआत आप युवाओं को स्वयं से करनी होगी। इसके बाद राष्ट्र निर्माण के इन दोनों कार्यों हेतु अभियान चलाकर एवं समूह बनाकर लोगों को शपथ पूर्वक जोड़ना होगा। संगठन में ही शक्ति

होती है। 'भ्रष्टाचार मुक्ति सेना' तथा 'व्यसन मुक्ति सेना' जैसे संगठन बनाकर इन कार्यों को ताकत दी जा सकती है। संगठनों के सामने बुराईयाँ शीघ्र समर्पण कर देती हैं। जैसेः स्वच्छ भारत अभियान आज एक नागरिक आन्दोलन बन गया, वैसे ही भ्रष्टाचार व व्यसन मुक्ति के लिए भी अभियान चलाना पड़ेगा। अतः पहले स्वयं निश्चय करें, समूह बनाकर लोगों को जोड़ते चले, एक–एक करके कारवाँ बढ़ता चलेगा और एक दिन राष्ट्रीय आंदोलन बन जायेगा। भ्रष्टाचार व व्यसन मुक्ति द्वारा राष्ट्र निर्माण के साथ मानवता की सेवा भी होगी।

आपके जीवन के तय किये हुए लक्ष्यों की बात करे, तो सबसे पहले आपको अपनी रूचि अनुसार व क्षमता अनुसार तय किये लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समर्पित रुप से नियमित मेहनत करनी होगी। लक्ष्य प्राप्ति के इस रास्ते पर आपको स्वयं ही उन लोगों से मिलकर सुझाव व सहायता लेनी चाहिए, जो सम्बन्धित क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर चुके है। अच्छे मार्गदर्शन में निरन्तर मेहनत कोई न कोई सफलता दिलाती ही है।

आप विद्यार्थियों से हम पर्यावरण क्षेत्र में भी जागरुक होने की आशा रखते है। आपके महाविद्यालय ने अपनी तरफ से एक सौ ट्री गार्ड बनवाएँ है। इच्छुक विद्यार्थियों को महाविद्यालय द्वारा ट्री गार्ड तथा बड़े आकार के पौधे उपलब्ध करवाने के साथ ही उन पौधो की तीन वर्षों तक रख–रखाव की जिम्मेदारी दी जायेगी। पौधे को पेड़ बनाने का यह सेवा कार्य करने वाले विद्यार्थियों का विशेष सम्मान कर प्रमाण पत्र भी प्रदान किये जाएंगे।

संक्षेप में, आप विनयवान बनें, व्यक्तिगत जीवन में बदबू रहित रहें तथा नये भारत के लिये आदर्शों को धारण करके नये निश्चय के साथ इस महाविद्यालय से उच्च शिक्षा में अधिकतम लक्ष्य प्राप्त करें। आप स्वस्थ रहकर अधिकाधिक सफलता–सुख और समृद्धि प्राप्त करें। *Good Luck*

गजेन्द्र मेहता
(संचालक–निदेशक)

समय अमूल्य है .... बीता क्षण लौटकर नहीं आता

सार्थक जीवन ही तो हममें से प्रत्येक का ध्येय हैं, हम विचारवान बनें, क्षमतावान बनें .... जीवन को चिन्तनशील बनाएँ .... अनावश्यक विषयों में अपना अमूल्य समय नष्ट न करें .... श्रेष्ठ विचार और उत्कृष्ट भाषा को अपनी दिनचर्या का अंग बनाएँ .... दूसरों से जो व्यवहार हम अपने लिए चाहते हैं, पहले स्वयं वैसा ही करें .... इसी में स्थायी खुशी है, ईश्वर का आशीर्वाद छिपा है, इसी में जीवन चक्र की सार्थकता है।

सम्यक् ज्ञानपीठ, उदयपुर
मानव जीवन के विकास में सहभागी

महाविद्यालय एक नज़र में

अध्यक्ष की कलम से ....

सम्यक् ज्ञानपीठ, उदयपुर ने फतहनगर में महाविद्यालय की स्थापना कर इस क्षेत्र के उच्च शिक्षा अनुरागियों का बहुत बड़ा उपकार किया है। विगत 18 वर्षों से यह महाविद्यालय इस क्षेत्र के बच्चों को स्तरीय शिक्षा प्रदान कर रहा है जिसके गुणात्मक परिणाम मो.ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षाओं में निरन्तर देखने को मिल रहे हैं।

हमारे परिवार के श्रद्धेय मेरे पिता सेठ श्री छगनलाल जी सा. जैन हमेशा शिक्षा अनुरागी रहे थे। उन्होनें अपने जीवन में कई विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने और आगे बढ़ने में हर प्रकार से निरन्तर सहयोग किया। मुझे खुशी है कि शिक्षा के प्रति उनके अनुराग कि स्थायी स्मृति में उनकी हवेली (जोयड़ा बावजी सराय) की भूमि पर इस महाविद्यालय का निर्माण हुआ है। शिक्षा ऐसी स्थायी पूंजी है जो कभी नष्ट नहीं होती और व्यक्ति को जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ाती है।

विद्यार्थियों को चाहिए कि वे मात्र औपचारिक डिग्री प्राप्त करना अपना उद्देश्य न रखें अपितु प्रत्येक कक्षा में प्रथम श्रेणी में सफलता का लक्ष्य रखते हुए अपने विषयों का आधारभूत एवं गहराई से अध्ययन कर ज्ञानार्जन करें। यही ज्ञान आपके जीवन निर्माण में सहायक होगा। इससे महाविद्यालय की एक विशेष 'गुडविल' बनेगी जिससे यहां से निकलने वाले विद्यार्थियों की अपनी एक अलग पहचान होगी।

महाविद्यालय में सेवारत समर्पित, निष्ठावान एवं श्रमनिष्ठ कार्यकर्ताओं के माध्यम से महाविद्यालय निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर हो रहा है। महाविद्यालय प्रबंध समिति इस महाविद्यालय को आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न व सुदृढ़ बनाने के लिए कृतसंकल्प है। फतहनगर के प्रबुद्ध समाजसेवी एवं श्रेष्ठीजन, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के रचनात्मक, सक्रिय व आत्मीय सहयोग से यह महाविद्यालय निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर होगा, ऐसा मेरा विश्वास है।

– नरेन्द्र कुमार जैन, मुम्बई

'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया'

शुभकामना संदेश

सचिव की कलम से ....

प्रिय विद्यार्थीगण,

माँ सरस्वती के इस पावन मंदिर में आपके प्रवेश से महावीर अम्बेश गुरु महाविद्यालय परिवार को हर्ष है। महाविद्यालय प्रांगण शिक्षा साधना का स्थल है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर राष्ट्र की क्षमता और विकास में अपनी प्रतिभा का योगदान देकर, उसे नया क्षितिज देना, आपका गुरुत्तर दायित्व है। प्रत्येक सफलता के लिए अनुशासन एक अनिवार्य शर्त है। आप भी अपनी ऊर्जा और प्रतिभा को नया क्षितिज तथा नया आयाम दें, तभी राष्ट्र और समाज के साथ–साथ स्वयं के लिए भी उपयोगी बन सकेंगे।

एक श्रेष्ठ महाविद्यालय का परिचय तथा गौरव उसके विद्यार्थियों से होता है जो सामाजिक, राजनीतिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अपनी पहचान बनाकर कीर्तिमान स्थापित करते हैं। इसी धारणा से प्रेरित यह महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों के मानसिक, बौद्धिक एवं शारीरिक विकास के लिए प्रयत्नशील है। उन्हें विचारवान, उत्तरदायी एवं प्रबुद्ध नागरिक बनाने के लिए कृतसंकल्प है। आप सभी अपने आचरण एवं व्यवहार से इस संस्था में अनुकरणीय परम्पराएँ तथा अनुशासन के उच्च आदर्श स्थापित करें, जो भावी पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपने जिस आशा एवं कामना से इस शिक्षण संस्था की ओर कदम बढ़ाए हैं, आप द्वारा अमूल्य समय के सदुपयोग से वह अवश्य पूरी होगी। इस संस्था का सहयोग और आशीर्वाद आपकी शैक्षिक यात्रा में साथ है। आप अपनी उपलब्धियों से राष्ट्र के गौरव बनें, यह मेरी हार्दिक शुभकामनाए है। जय महावीर!

– मनोहरलाल कावड़िया

फतहनगर

स्वागत संदेश

प्राचार्य की कलम से ....

प्रिय विद्यार्थियों,

सत्र 2022-23 में समस्त महाविद्यालय परिवार की तरफ से आपका स्वागत और अभिनन्दन । दो तिहाई छात्राओं की उपस्थिति वाले इस महाविद्यालय का विगत वर्ष विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम - कला संकाय का 98.12%, वाणिज्य संकाय का 100%, विज्ञान संकाय का 99.33% एवं बी.सी.ए. का 91.66% रहा। निरन्तर श्रेष्ठतम परीक्षा परिणाम के साथ हमारा संकल्प है कि सह-शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास हो। आप इस महाविद्यालय के आदर्शों, सिद्धान्तों और उद्देश्यों पर विश्वास रखते हुए इससे जुड़े है, और हम सभी मिलकर आपके उस विश्वास को पूरा करने का भरसक प्रयास करेंगे ।

जैसा कि हम सभी जानते है कि विगत दो वर्षों से पूरा विश्व वैश्विक महामारी कोरोना (Covid-19) का शिकार था। संकट की इस घड़ी में कई व्यवस्थाएं बदली है। विद्यार्थियों के हित में महाविद्यालय भी पूरी तरह से सजग रहा। पिछले सत्रों में महाविद्यालय सामाजिक दूरी को बनाये रखते हुए शैक्षणिक कार्य को संपादित करने में अग्रणी रहा है। इसके लिए हमने ऑन-लाईन शिक्षण कार्य के साथ-साथ विद्यार्थियों को ई-कंटेंट भी उपलब्ध करवाए। विद्यार्थियों के हित में हम आवश्यकता अनुसार आगे भी नवाचार लाएंगें, ताकि विद्यार्थियों को अधिक से अधिक ज्ञान प्रदान किया जा सके। महाविद्यालय के सभी संकाय के विद्यार्थियों हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 'नियमित अतिरिक्त कक्षाएँ' प्रारम्भ की जा रही है, जिनका सभी विद्यार्थी अधिकाधिक लाभ उठावें ।इनमें समय-समय पर विशेषज्ञ भी आमन्त्रित किये जाएंगे।

महाविद्यालय में कला, वाणिज्य, विज्ञान व बी.सी.ए. संकाय सभी पूर्ण साधन सुविधाओं के साथ संचालित है। यह महाविद्यालय फतहनगर क्षेत्र में उच्च व्यावहारिक शिक्षा के प्रसार हेतु प्रतिबद्ध है। आप विद्यार्थियों द्वारा इस यज्ञ को आगे बढ़ाने के साथ ही समाज को सुसभ्य एवं सुसंस्कृत करने में आपका सहयोग महत्वपूर्ण है । हम आशा करते हैं कि आप महाविद्यालय से जुड कर इसकी गरिमा एवं आदर्शों को और ऊँचाईयां प्रदान करेंगे। जिम्मेदार नागरिक के तौर पर समाज और राष्ट्र निर्माण में आप विद्यार्थियों की सकारात्मक सहभागिता की उम्मीद के साथ, नये शैक्षिक सत्र के लिए शुभकामनाएं देते हुए....

- डॉ ललित कुमावत

हमारे विद्यार्थियों के श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम –

Class	Arts			COMMERCE			BCA			B.SC.		
Year	Iyr.	IIyr.	IIIyr.	Iyr.	IIyr.	IIIyr.	Iyr.	IIyr.	IIIyr.	Iyr.	IIyr.	IIIyr.
2017	97.32%	99.29%	99.23%	98.18%	89.58%	98.31%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%	-	-
2018	96.11%	97.37%	94.89%	84.38%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%	97.22%	100.00%	-
2019	97.03%	96.35%	96.27%	89.47%	96.55%	100.00%	100.00%	100.00%	88.89%	97.56%	100.00%	90.91%
2020	100.00%	100.00%	96.24%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%	96.96%	100.00%
2021	98.90%	98.93%	95.29%	100.00%	100.00%	100.00%	-	100.00%	85.71%	100.00%	98.41%	100.00%

सांसद श्री सी.पी. जोशी
एवं अन्य अतिथियों
द्वारा
महाविद्यालय की
छात्रा का सम्मान

माननीय पूर्व कुलपति
प्रो. जे. पी. शर्मा
(मो.सु. विश्वविद्यालय)
महाविद्यालय समारोह
में छात्रों को पुरुस्कृत
करते हुए

श्रीमान् कैलाश जी अग्रवाल
उद्योगपति एवं समाजसेवी, फतहनगर
श्रीमान् कैलाश जी खण्डेलवाल
उद्योगपति एवं समाज सेवी, फतहनगर एवं
श्रीमान् नितिन जी सेठिया
उपाध्यक्ष, नगरपालिका, फतहनगर
महाविद्यालय समारोह में विद्यार्थियों को
पुरस्कृत करते हुए

प्रवेश विधि एवं नियम

1. महाविद्यालय का नवीन सत्र जुलाई, 2022 से प्रारम्भ होगा।
2. प्रत्येक कक्षा के प्रवेशार्थी को 150/– रुपये जमा कराकर विवरणिका सहित प्रवेश आवेदन पत्र महाविद्यालय कार्यालय से प्राप्त करना है।
3. विद्यार्थी नोटिस बोर्ड देखकर अंतिम तिथि के पूर्व अपना आवेदन–पत्र पूर्ण भरकर, अपेक्षित प्रमाण–पत्रों सहित कार्यालय में जमा करा देवें। निर्धारित शुल्क जमा होने पर ही प्रवेश माना जाएगा।
4. निर्धारित तिथि के बाद, विलम्ब शुल्क देने पर तथा स्थान रिक्त होने पर ही प्रवेश आवेदन पत्र लिये जा सकेंगे।
5. प्रवेश आवेदन पत्र में अपना नाम वही लिखें जो बोर्ड अथवा विश्वविद्यालय के प्रमाण पत्र/अंकतालिका में दर्ज है। अपूर्ण अथवा गलत सूचना के साथ प्रस्तुत आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाकर उन्हें निरस्त कर दिया जाएगा।
6. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा सीनियर कक्षा में जो विद्यार्थी पूरक परीक्षा के योग्य घोषित किये गये हैं, वे भी निर्धारित तिथि तक अस्थाई प्रवेश ले लेवें। पूरक परीक्षा का परिणाम घोषित होने के बाद प्रवेश नहीं दिया जायेगा। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा (राज्य सरकार) जयपुर तथा मो.ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात् कोई भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
7. प्रवेश आवेदन पत्र के साथ निम्न प्रमाण–पत्र संलग्न करना आवश्यक है –

	मूल प्रति	प्रमाणित प्रति	कुल
1. उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की अंकतालिका	–	2	2
2. माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की अंकतालिका	–	2	2
3. उच्च माध्यमिक स्कूल का स्थानान्तरण प्रमाण पत्र	1	2	3
4. पिता/संरक्षक की वार्षिक आय का प्रमाण पत्र	1	–	1
5. उच्च माध्यमिक स्कूल, जहां अंतिम अध्ययन किया है, का चरित्र प्रमाण पत्र	1	1	2
6. अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के हो तो अधिकृत अधिकारी का जाति प्रमाण पत्र	1	2	3
7. विश्वविद्यालय परिवर्तन प्रमाण–पत्र	1	2	3

(Migration Certificate) (केवल उन विद्यार्थियों को देना है जिन्होंने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षा या विश्वविद्यालय परीक्षा अन्य राज्यों से उत्तीर्ण की है।)

नोट : मूल अंकतालिकाएं कार्यालय में फोटो प्रतियां प्रमाणित कर तुरन्त लौटा दी जाएगी।

8. प्रवेश योग्यता क्रम (मेरिट) के आधार पर दिया जाएगा।
9. प्रथम वर्ष की कक्षाओं में प्रारम्भ में प्रवेश अस्थाई रूप में होगा। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय नामांकन आवेदन पत्र ऑनलाईन भरने पर प्रवेश स्थाई माना जाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा नामांकन नहीं होने पर प्रवेश स्वतः निरस्त माना जाएगा।
10. प्रत्येक छात्र की प्रगति, उसके आचरण एवं चरित्र का दायित्व, उसके पिता/संरक्षक पर होगा, अपने पुत्र/पुत्री के अनुशासित व्यवहार करने के प्रति वे उत्तरदायी होंगे।
11. महाविद्यालय में प्रवेश मिल जाने के पश्चात् यदि किसी विद्यार्थी का आचरण आपत्तिजनक पाया गया, उसने महाविद्यालय का अनुशासन भंग किया, उसके प्रवेश आवेदन पत्र में कोई असत्य सूचना पाई गई, महाविद्यालय के नियमों का उल्लंघन किया तो उसका यह कार्य अत्यन्त अवांछनीय होने के कारण दण्डनीय समझा जायेगा और उसका प्रवेश तुरन्त रद्द किया जा सकेगा।

विशेष :

1. महाविद्यालय के प्राचार्य महाविद्यालय के हित में किसी भी विद्यार्थी को बिना कारण बताए महाविद्यालय में प्रवेश देने से इंकार कर सकते हैं।
2. प्रवेश एवं उपस्थिति के संबंध में कॉलेज शिक्षा, राज्य सरकार एवं मो.ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के नियम व निर्देश सभी विद्यार्थियों पर लागू होंगे तथा उनकी अनुपालना अनिवार्य होगी।

प्रवेश हेतु योग्यता एवं वरीयता

1. सीनियर हायर सैकेण्डरी उत्तीर्ण विद्यार्थी वरीयता क्रम (Merit) से प्रथम वर्ष कला/वाणिज्य/बी.सी.ए. या विज्ञान संकाय में प्रवेश ले सकेंगे।
2. राज्य सरकार के आदेशानुसार प्रवेश हेतु 16 प्रतिशत स्थान अनुसूचित जाति, 12 प्रतिशत स्थान अनुसूचित जनजाति तथा 21 प्रतिशत स्थान अन्य पिछड़ी जाति एवं 10 प्रतिशत स्थान विशेष पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित रहेंगे।
3. सह–शैक्षिक गतिविधियों में विशिष्ट स्थान प्रदर्शित करने वाले प्रवेशार्थियों को आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा के नियमानुसार योग्यता निर्धारण में लाभ दिया जाएगा किन्तु अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र को केवल योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण होने पर प्रवेश दिया जाएगा।
4. निम्न श्रेणी के विद्यार्थियों को निम्नानुसार प्रवेश प्राप्तांकों में छूट दी जावेगी –

क.	दिव्यांग	3 प्रतिशत अंक तथा 3% स्थान सुरक्षित
ख.	राष्ट्रपति स्काउट या गाइड	कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय के नियमानुसार
ग.	मृत राज्य कर्मचारी के संरक्षित	उपर्युक्त
घ.	सैनिक कर्मचारी के संरक्षित	उपर्युक्त

(एन.सी.सी. जूनियर विंग 'ए' प्रमाण पत्र छात्रों एवं प्रथम श्रेणी स्काउट्स/गाइड्स को नियमानुसार लाभ दिया जा सकेगा।)

नोट : उपर्युक्त रियायतें केवल वरीयता क्रम में प्रवेशार्थी को ऊपर लाने के लिए (दिव्यांग को छोड़कर) है न कि न्यूनतम योग्यता में छूट देने के लिए। उपर्युक्त रियायतों में किसी भी प्रवेशार्थी को केवल एक ही रियायत दी जा सकेगी।

5. कला, वाणिज्य एवं बी.सी.ए. संकाय में किसी भी संकाय का विद्यार्थी पात्र होने पर प्रवेश ले सकेगा लेकिन विज्ञान संकाय में केवल विज्ञान विषयों से उत्तीर्ण विद्यार्थी ही प्रवेश ले सकेंगे।

विषय एवं पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम : यह महाविद्यालय मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर से सम्बद्ध है। अतः विभिन्न कक्षाओं/संकायों में पाठ्यक्रम (Syllabus) मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर का ही रहेगा। वर्तमान में यहां निम्न संकायों/कक्षाओं में अध्ययन की व्यवस्था है –

कला संकाय

प्रथम वर्ष कला

1. अर्हक विषय (Qualifying Subject) : सामान्य अंग्रेजी (General English)
2. अनिवार्य विषय (इनके अंक श्रेणी निर्धारण में जुड़ेंगे) : पर्यावरण अध्ययन (Environmental Studies),
3. ऐच्छिक विषय (Optional Subject)

1. राजनीति विज्ञान	2. हिन्दी साहित्य	3. इतिहास
4. भूगोल	5. अंग्रेजी साहित्य/समाजशास्त्र	

नोट : 1. उपर्युक्त विषयों में से कोई तीन विषय लेने हैं।

2. प्रारम्भ में यदि विद्यार्थी कोई विषय लेता है तथा बाद में न्यूनतम विद्यार्थी संख्या 20 नहीं होती है तो उसे निर्देशानुरूप अपना विषय बदलना होगा।

द्वितीय वर्ष कला

ऐच्छिक विषय : प्रथम वर्ष कला परीक्षा में लिए गए विषय लेना अनिवार्य है। विषय/प्रश्न-पत्रों का पाठ्यक्रम मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के अनुसार होगा।

1. द्वितीय वर्ष में प्रवेश नवीनीकरण के समय नियमित विद्यार्थी चाहे तो एक वैकल्पिक विषय का परिवर्तन कर सकता है, यदि वह प्रथम वर्ष के सभी विषयों में उत्तीर्ण है तथा उसके द्वारा चुने गए वर्ग के विषय का महाविद्यालय में नियमित अध्यापन किया जा रहा है, किन्तु वैकल्पिक विषय प्रायोगिक परीक्षा वाला नहीं लिया जा सकता है। नया चुना हुआ विषय उस वर्ष के लिए निर्धारित ग्रुप समूह के अनुसार होगा।
2. द्वितीय वर्ष में परिवर्तित विषय के प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम के अध्ययन, नियमानुसार परीक्षा आदि की जिम्मेदारी स्वयं विद्यार्थी की होगी।

अर्हक विषयः 1. प्रारम्भिक कम्प्यूटर अनुप्रयोग (Ele. Computer Application) 2. सामान्य हिन्दी

तृतीय वर्ष कला

द्वितीय वर्ष कला परीक्षा में लिए गए ऐच्छिक विषय ही तृतीय वर्ष में लेना अनिवार्य है। विषय/प्रश्न-पत्रों का पाठ्यक्रम मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के अनुसार होगा

वाणिज्य संकाय

प्रथम वर्ष वाणिज्य

1. अर्हक विषय (Qualifying Subject) – सामान्य अंग्रेजी (General English)
2. अनिवार्य विषय (इनके अंक श्रेणी निर्धारण में जुड़ेंगे) – पर्यावरण अध्ययन (Environmental Studies),
3. ऐच्छिक विषय (Optional Subject) – निम्नांकित तीन ग्रुप होंगे तथा प्रत्येक ग्रुप (विषय) में दो–दो प्रश्न–पत्र होंगे। प्रश्न–पत्रों के नाम व पाठ्यक्रम मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित सिलेबस से नोट करें। 1.लेखा एवं सांख्यिकी (Accountancy & Statistics) 2.बैंकिंग एवं व्यावसायिक अर्थशास्त्र (Banking & Business Economics) 3. व्यावसायिक प्रशासन (Business Administration)

द्वितीय वर्ष वाणिज्य

प्रथम वर्ष वाणिज्य में रहे तीनों अनिवार्य ग्रुपों / विषयों के मो.ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा द्वितीय वर्ष के लिए निर्धारित प्रश्न पत्रों का अध्ययन करवाया जाएगा।

अर्हक विषय : 1. प्रारम्भिक कम्प्यूटर अनुप्रयोग (Ele. Computer Application) 2. सामान्य हिन्दी

तृतीय वर्ष वाणिज्य

द्वितीय वर्ष वाणिज्य उत्तीर्ण विद्यार्थी तृतीय वर्ष में प्रवेश ले सकेंगे। तीनों कोर विषयों का पाठ्यक्रम मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के अनुसार होगा।

विज्ञान संकाय

प्रथम वर्ष विज्ञान

1. अर्हक विषय : (Qualifying Subject)– सामान्य अंग्रेजी (General English)

2. अनिवार्य विषय : (इनके अंक श्रेणी निर्धारण में जुड़ेंगे)– पर्यावरण अध्ययन (Environmental Studies)

ऐच्छिक विषय (Optional Subject) कोई एक समूह ले सकते हैं– (Select any one Group)

(I) वनस्पति विज्ञान (Botany), प्राणी विज्ञान (Zoology), रसायन विज्ञान (Chemistry)

(ii) भौतिक विज्ञान (Physics), रसायन विज्ञान (Chemistry), गणित (Mathematics)

नोट : एक समूह (Group) के संचालन के लिए न्यूनतम विद्यार्थियों की संख्या 20 आवश्यक रहेगी। अन्यथा विद्यार्थी को अपना ग्रुप निर्देशानुरूप बदलना होगा।

द्वितीय वर्ष विज्ञान

प्रथम वर्ष उत्तीर्ण विद्यार्थी द्वितीय वर्ष में प्रवेश ले सकेंगे । द्वितीय वर्ष के विषयों में मो.ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार अध्ययन करवाया जावेगा

अर्हक विषय – 1. सामान्य हिन्दी, 2. प्रारम्भिक कम्प्यूटर अनुप्रयोग (E.C.A.)

तृतीय वर्ष विज्ञान

द्वितीय वर्ष उत्तीर्ण विद्यार्थी तृतीय वर्ष में प्रवेश ले सकेंगे। तीनों विषयों का पाठ्यक्रम मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के अनुसार होगा।

B.C.A.

पात्रता : विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय के सीनियर स्कूल उत्तीर्ण (50 प्रतिशत न्यूनतम अंक) छात्र B.C.A. में प्रवेश ले सकते है। एस.सी./एस.टी. आदि को न्यूनतम प्राप्तांकों में नियमानुसार छूट है।

First Year - BCA

अर्हक विषय – सामान्य अंग्रेजी (General English)

अनिवार्य विषय – पर्यावरण अध्ययन (Env. Studies), (इनके अंक श्रेणी निर्धारण में जुड़ेंगे)

Main Papers :

1. Introduction to Information Technology.
2. PC Software Packages
3. Problem Solving through C Programming
4. Basic Physics
5. Basic Mathematics
6. Computer Organization
7. PC Software & Electronics (Lab.)
8. C-Programming (Lab.)

Second Year - BCA

अर्हक विषय – सामान्य हिन्दी

Main Papers :

1. Computer Communication & Networks
2. Database Management Systems
3. Fundamentals of Operating Systems
4. Data Structure using C
5. Business Organization & Management
6. Business Communications
7. Database Management System & Data Structure - Lab
8. Business Communication - Lab (Paper 7 & 8 - Practical)

Third Year - BCA

Main Papers :

1. Object Oriented Programming using C++
2. Visual Programming
3. Information Security & Cryptography
4. System Analysis & Design

विद्यार्थी विशेष ध्यान देवें

1. प्रश्न पत्रों के नाम व पाठ्यक्रम मो. ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित सेलेबस से विद्यार्थियों को नोट करना चाहिए। यह सेलेबस सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर की वेबसाईट www.mlsu.ac.in पर उपलब्ध है।
2. विद्यार्थियों को विषय का चयन गंभीरतापूर्वक करना चाहिए। सामान्यतः एक बार चुने गए विषय को परिवर्तित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। विशेष परिस्थिति में 200/– रू. शुल्क के साथ विषय/संकाय परिवर्तन कर सकेंगे।
3. पाठ्यक्रम एवं प्रवेश नियमों में राज्य सरकार/मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के आदेशानुसार परिवर्तन/परिवर्द्धन किया जा सकता है। विद्यार्थियों को तद्नुरूप अनुसरण करना होगा।
4. प्रत्येक विषय/प्रश्न पत्रों में 75% उपस्थिति अनिवार्य है ।
5. नियमित विद्यार्थी महाविद्यालय परिवर्तन नहीं कर सकेंगे । विशेष परिस्थिति में परिवर्तन हेतु मोहन लाल विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति आवश्यक होगी ।

विद्यार्थी विशेष ध्यान दें –

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा वर्ष 2015 की परीक्षा से नवीन परीक्षा पद्धति लागू कर दी गई है। इस वर्ष सभी संकायों की सभी कक्षाओं की परीक्षा नवीन पद्धति के अनुसार ही होगी। विश्वविद्यालय द्वारा ली जाने वाली मुख्य परीक्षाएं 100 अंकों की होगी, जिसका तीन भागों में निम्नानुसार विभाजन होगा –

खण्ड–अ (20 अंक)

इसमें प्रत्येक युनिट से दो प्रश्नों के साथ कुल 10 प्रश्न होंगे। सभी प्रश्नों का उत्तर अनिवार्य होगा।

2 अंको के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक नहीं देना होगा।

खण्ड–ब (50 अंक)

प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न आएगें जिसमें से एक–एक प्रश्न चुनते हुए कुल पांच प्रश्न करने होंगे।

10 अंक के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नहीं होगा।

खण्ड–स (30 अंक)

प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आएगा जिसमें से कोई दो प्रश्न करने होंगे। 15 अंक के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक नहीं होगा।

विश्वविद्यालय के उपर्युक्त परीक्षा पेटर्न पर इस महाविद्यालय द्वारा वर्ष के बीच में समय –समय पर अभ्यास परीक्षाएं कराई जाती है। इन अभ्यास परीक्षाओं से विद्याथियों में प्रश्नों के उत्तर देने की कला, आत्मविश्वास एवं विषय की गहराई विकसित होती है ।

विद्यार्थियों का कॉलेज में प्रवेश लेकर नियमित अध्ययन आवश्यक :

नवीन परीक्षा पद्धति का लाभ नियमित अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को ही मिल पाएगा। कक्षाओं में निरंतर आंतरिक मूल्यांकन एवं कक्षाओं में नियमित अध्ययन से विद्यार्थी में प्रश्नों के उत्तर देने की क्षमता विकसित होगी। प्राध्यापकों द्वारा प्रत्येक प्रश्न–पत्र का गहराई से अध्यापन करवाया जाता है। गहन एवं व्यापक अध्यापन से नियमित विद्यार्थी उच्च प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होंगे तथा प्रतियोगी (Competitive) परीक्षाओं में भी सफल रहेंगे। यह लाभ प्राइवेट (स्वयंपाठी) विद्यार्थियों को नहीं मिल सकता है।

महाविद्यालय में अध्यापन का समय

महाविद्यालय में छात्र तथा छात्राओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय का संचालन प्रातः 10.30 बजे से किया जाएगा। विभिन्न कक्षाओं के संचालन के समय की सूचना(टाईम टेबल में) अलग से दी जाएगी।

नोट : पुस्तकालय समय 10.00 से 4.00 बजे तक रहेगा।

कार्यालय समय 10.00 से 5.00 बजे तक रहेगा।

A negative thinker sees a difficulty in every opportunity. A positive thinker sees an opportunity in every difficulty "KEEP POSITIVE THINKING"

महाविद्यालय शुल्क विवरण

सत्र 2022-23 के लिए महाविद्यालय शुल्क निम्नानुसार लिया जाएगा :-

कक्षा	प्रथम किश्त	द्वितीय किश्त	प्रायोगिक शुल्क	कुल शुल्क
प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष कला	4000	7500	500 (भूगोल विषय हेतु)	11,500 12,000 (भूगोल)
प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष वाणिज्य	6000	8000	—	14000
प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष बी.सी.ए.	7000	11,000	2000	20000
प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष विज्ञान	7000	11,000	2000	20000

नोट:- 1. प्रथम किश्त प्रवेश के समय एवं द्वितीय किश्त परीक्षा आवेदन फार्म से पहले जमा करवानी होगी।

2. विद्यार्थियों के व्यापक हित में शुल्क को एक मुश्त जमा करवाने वाले सभी छात्र/छात्राओं को 500 रू की छूट रहेगी।

3. बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने हेतु इस सत्र (2022-23) में प्रथम वर्ष(कला, वाणिज्य, विज्ञान, बी.सी.ए.) में प्रवेश लेने वाली सभी छात्राओं को 2000 रू. की विशेष छूट प्रथम किश्त के समय देय होगी।

4. सभी पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की राशि द्वितीय किश्त में से देय होगी।

निम्नांकित अतिरिक्त शुल्क विश्वविद्यालय नियमानुसार ऑनलाइन जमा होंगे -

1. विश्वविद्यालय नामांकन शुल्क (केवल प्रथम वर्ष के प्रवेशार्थियों से)
2. विश्वविद्यालय योग्यता शुल्क (राजस्थान राज्य के विद्यार्थियों से)
3. पात्रता शुल्क (राज्य के बाहर के शिक्षा बोर्ड/अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों से)
4. विश्वविद्यालय परीक्षा एवं आवेदन-पत्र (विश्वविद्यालय नियमानुसार)

अन्य शुल्क:-

1. महाविद्यालय स्पोर्टस् बोर्ड शुल्क (इच्छानुसार)

(i). क्रिकेट क्लब 500.00

(ii). विविध खेलकूद (क्रिकेट के अतिरिक्त) 200.00

नोट : महाविद्यालय स्पोर्टस् बोर्ड के सदस्य विद्यार्थी ही मो.ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेगें। किसी भी प्रतियोगिता के लिए तैयारी 15 दिन पूर्व से होगी।

2. स्थानान्तरण प्रमाण पत्र (टी.सी.) 100.00
3. चरित्र प्रमाण पत्र (चाहने पर) 100.00
4. परिचय-कार्ड खोने पर डुप्लीकेट बनवाने पर 100.00
5. लाइब्रेरी कार्ड या डुप्लीकेट रसीद आदि पुनः बनवाने पर 50.00

नियम :

1. निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा न करवाने पर विलम्ब शुल्क देय होगा। एक माह बाद भी शुल्क नहीं जमा करवाने वालों का नाम महाविद्यालय से पृथक् किया जा सकेगा।
2. विशेष परिस्थिति में यदि विद्यार्थी के लिए सत्र के मध्य महाविद्यालय छोड़ना आवश्यक हो जाए तो इस सम्बन्ध में प्राचार्य को लिखित में सूचना देना आवश्यक होगा।
   महाविद्यालय छोड़ने की सूचना न देने पर वर्ष भर का शुल्क छात्र को जमा कराना होगा। इसकी पालना के अभाव में विद्यार्थी को स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र नहीं दिया जाएगा ।
3. **महाविद्यालय कोष में एक बार जमा कराया गया शुल्क किसी भी स्थिति में पुन: लौटाया नहीं जाएगा।**

उपस्थिति एवं अन्य नियम

1. मो.ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय के नियमानुसार एवं राज्य सरकार के आदेशानुरूप प्रत्येक विषय के प्रश्न पत्र में कुल लेक्चर्स में से न्यूनतम रूप से 75 प्रतिशत लेक्चर्स में छात्र का उपस्थित रहना अनिवार्य है। इससे कम उपस्थिति की द ा में छात्र/छात्रा नियमित विद्यार्थी के रूप में विश्वविद्यालय परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सकेगें।
2. विलम्ब से प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी की उपस्थिति सम्बन्धी अल्पता का दायित्व स्वयं का होगा।
3. प्रत्येक विद्यार्थी अपनी उपस्थिति के संबंध में जानने एवं नियमों से अवगत रहने के लिए स्वयं सचेत रहें।
4. पूरक परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के लिए भी महाविद्यालय के नियमानुसार अंतिम तिथि के पूर्व ही प्रवेश प्राप्त कर लेना अनिवार्य है। उपस्थिति महाविद्यालय में अध्ययन प्रारम्भ होने की तिथि से ही गिनी जाएगी।
5. प्रवेश हो जाने पर कार्यालय से अपना परिचय–कार्ड (Identity Card) प्राप्त कर लें । प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा महाविद्यालय परिसर में गले में प्रवेश कार्ड पहनने पर ही प्रवेश दिया जाएगा, अन्यथा परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। अत: इसे कॉलेज में सदैव अपने साथ रखें ।
6. परिचय–कार्ड खो जाने की स्थिति में नया कार्ड प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी को सकारण प्राचार्य को आवेदन करना होगा तथा 100/– रु. शुल्क जमा कराने पर ही नया कार्ड बनवाकर कार्यालय से देय होगा।
7. विद्यार्थियों से सम्बन्धित सभी सूचनाएं महाविद्यालय के सूचना–पट्ट पर समय–समय पर लगाई जाती है। अत: प्रत्येक विद्यार्थी को नियमित रूप से सूचना पट्ट देखना चाहिए अन्यथा कोई भी सूचना प्राप्त न होने का दायित्व स्वयं विद्यार्थी का होगा।

अनुशासन

विद्यार्थी अनुशासन सम्बन्धी नियमों का पूर्णतः पालन करेंगे। अनुशासित आचरण से ही विद्यार्थी हित में अच्छे शैक्षणिक वातावरण की स्थापना सम्भव है।

1. विद्यार्थी हित के लिए अभिभावकों/संरक्षको को समय–समय पर महाविद्यालय में आकर छात्र/छात्रा की प्रगति की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए।
2. विद्यार्थी शुल्क जमा कराते समय, कार्यालय सम्बन्धी अन्य कार्यवश, पुस्तकालय से पुस्तकों का लेन–देन करते समय पंक्तिबद्ध रहे तथा शांति बनाये रखें।
3. प्राध्यापकों, कार्यालय स्टाफ आदि के साथ विद्यार्थियों द्वारा विनम्र एवं शिष्ट व्यवहार अनिवार्य है। खाली पीरियड में कक्षा या महाविद्यालय परिसर में भाोर करना वर्जित है ।
4. **महाविद्यालय परिसर में गुटखा, तम्बाकू, धूम्रपान, मादक पदार्थों तथा मोबाइल फोन का अशैक्षणिक उपयोग निषिद्ध है। राज्य सरकार के द्वारा महाविद्यालय को तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान घोषित किया गया है।** परिसर में सिगरेट, गुटखा व अन्य तम्बाकू उत्पादों का उपयोग करने पर अधिनियम 2003 की धारा 4 और 6(ब) के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। इसमें दण्ड का प्रावधान है। अतः विद्यार्थी सीढ़ियों, दीवारों पर थूककर अपने ही भवन को गंदा न करें। पकड़े जाने पर कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।
5. विद्यार्थी अपने वाहन निर्धारित स्थान पर ही रखें। प्रवेश–द्वार पर अपने गले में परिचय पत्र (आई कार्ड) पहनकर ही कॉलेज में प्रवेश करें।
6. सभा समारोह महाविद्यालय जीवन की गतिशीलता है। अतः सभी विद्यार्थियों का सम्मिलित होना आवश्यक है। उत्सव, समारोह के अवसर पर तथा महाविद्यालय में उपस्थित होने के दौरान हर समय परिचय–कार्ड साथ होना अनिवार्य है।
7. प्राचार्य की अनुमति के बिना बाहर के किसी व्यक्ति को महाविद्यालय में साथ लाना वर्जित है।
8. महाविद्यालय में रैंगिग पर पूर्ण प्रतिबन्ध है। जो छात्र/छात्रा रैंगिग में किसी भी रूप से लिप्त पाया जाता है, उसे निलम्बन/निष्कासन करके पुलिस में एफ.आई.आर.दर्ज कराई जाएगी।
9. विद्यार्थियों से स्व–अनुशासन की अपेक्षा की जाती है। अनुशासनहीन, अशिष्ट एवं अमर्यादित आचरण करने वालों के विरुद्ध कठोर दण्ड की व्यवस्था है। ऐसी स्थिति में निम्न कदम उठाए जा सकते हैं – 1. अभिभावक को मौखिक/लिखित सूचना 2. चेतावनी 3. आर्थिक दण्ड, 4. निलम्बन, 5. निष्कासन। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय तथा राज्य सरकार के नियमानुसार कोई भी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है।

हमारा आचरण हमारे ही ज्ञान की परीक्षा है। यदि हम ज्ञान का अपने दैनिक जीवन में समावेश नहीं कर सकें तो हमारे ज्ञानी होने का कोई अर्थ नहीं है।

छात्र–कल्याण

1. बुक–बैंक से पाठ्य पुस्तकों की सुविधा :

1. बुक–बैंक में पाठ्यक्रम से संबंधित सभी विषयों की पर्याप्त पुस्तकें उपलब्ध है। विद्यार्थी नियमानुसार इसके सदस्य बनकर वर्षभर अध्ययन के लिए पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं।
2. बुक–बैंक का सदस्य बनने के लिए आवेदन पत्र भरकर निम्न अमानत राशि जमा करवानी होगी– (i) कला– 750 ₹, (ii) वाणिज्य– 1000 ₹, (iii) विज्ञान, बी.सी.ए.– 1500 ₹

नोट– एक बार बुक–बैंक का सदस्य बनने पर विद्यार्थी तब तक सदस्य बना रहेगा, जब तक वह कॉलेज में अध्ययनरत रहेगा। अमानत राशि कॉलेज छोड़ने पर लौटा दी जाएगी।

3. पुस्तक रखरखाव हेतु पुस्तकों के मूल्य की 25 प्रतिशत राशि ही प्रतिवर्ष विद्यार्थियों को जमा करानी होगी। मेधावी विद्यार्थियों (70 प्रतिशत व इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले) को मात्र 10 प्रतिशत राशि पर ही अध्ययन हेतु पुस्तकें दी जाएगी।
4. विद्यार्थी को विश्वविद्यालय परीक्षा समाप्त होते ही एक सप्ताह में पुस्तकें जमा करवानी होगी, अन्यथा 200/– रु. विलम्ब शुल्क लिया जाएगा।
5. पुस्तकों पर अपना नाम लिखना, चिह्न बनाना, पृष्ठ फाड़ना या किसी प्रकार का नुकसान पहुँचाना दण्डनीय है। ऐसी स्थिति में विद्यार्थी से पुस्तक का दो गुना मूल्य दण्ड स्वरूप लिया जाएगा तथा बुक बैंक सुविधा से वंचित कर दिया जाएगा ।

2. छात्रवृत्तियाँ :

1. **jk"Vªh; Nk=of'Ùk ;kstuk &** माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर में मेरिट में आने पर बोर्ड द्वारा देय।
2. **vko';drk ,oa ;ksX;rk Nk=of'Ùk &** यह छात्रवृत्तियां उन विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है, जिनके माता–पिता की कुल वार्षिक आय 20,000/– रु. या उससे कम हो और विद्यार्थी ने अपने सैकेण्डरी, सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा में कम से कम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हों। छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले योग्य विद्यार्थियों में सबसे कम आय वालों को प्राथमिकता दी जाएगी। निम्नांकित प्रमाण–पत्र आवेदन के साथ आवश्यक होंगे –

   क. उत्तीर्ण परीक्षा की अंक तालिका एवं प्रतिलिपि। ख. माता–पिता/संरक्षक की आय का प्रमाण–पत्र। ग. माता–पिता/संरक्षक का शपथ–पत्र जिसमें कुल आय को स्वीकार किया गया हो।
3. **महिला योग्यता छात्रवृत्ति –** वे छात्राएँ जिनके माता–पिता की वार्षिक आय 1,00,000/– रु. से अधिक न हो व सीनियर हायर सैकेण्डरी परीक्षा 60 प्रतिशत या अधिक अंक से उत्तीर्ण की हो।
4. **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग राजस्थान सरकार :**
   1. विभाग द्वारा देय छात्रवृत्तियां : अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विशेष पिछड़ा वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग से सम्बन्धित प्रमाणित राजस्थान निवासी विद्यार्थियों को राज्य सरकार के नियमानुसार यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
   2. दिव्यांग छात्रों हेतु छात्रवृत्ति : यह छात्रवृत्ति दिव्यांग विद्यार्थियों को दी जाती है। यह छात्रवृत्ति केवल उन्हीं विद्यार्थियों को मिलेगी जिन्होंने उत्तीर्ण परीक्षा में कम से कम 45 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों।
5. **अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति :** सिख, इसाई, मुस्लिम, बोहरा, जैन आदि अल्प संख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को राजस्थान सरकार के अल्प संख्यक विभाग द्वारा नियमानुसार छात्रवृत्तियां स्वीकृत की जाती है। इसमें 50 प्रतिशत से कम अंक एवं 2 लाख से अधिक आय नहीं होनी चाहिए।

6. **मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति –** माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की उच्च माध्यमिक परीक्षा की वरीयता सूची में प्रथम एक लाख विद्यार्थियों को यह छात्रवृत्ति दी जाती है।

1. इसके अन्तर्गत 500 रूपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति 5 वर्ष की अवधि अथवा उच्च एवं तकनीकी अध्ययन जारी रखने तक दी जाएगी। छात्रवृत्ति की निरन्तरता के लिए आगे की प्रत्येक परीक्षा में 60 प्रतिशत व इससे अधिक अंकों से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
2. पिता की वार्षिक आय 2 लाख 50 हजार रूपये तक हो।
3. जिन्हें अन्य छात्रवृत्ति या प्रोत्साहन राशि नहीं मिल रही हो।
4. यह राशि विद्यार्थियों के बैंक खाते में सीधी जमा होगी ।
5. यह छात्रवृत्ति सभी संकायों के नियमित विद्यार्थियों को ही दी जाती है।

नोट :

1. सभी छात्रवृत्तियों के लिए ऑन–लाईन आवेदन करना होता है। अतः निर्धारित अवधि में आवेदन आवश्यक है। ऑन लाईन आवेदन की हार्डकॉपी, आवश्यक सभी प्रमाण पत्रों की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि के साथ तुरंत कॉलेज कार्यालय में जमा करवाएँ।
2. विद्यार्थी को अपना आधार कार्ड बनवाकर तथा बैंक खाता खुलवाकर आवेदन के पहले तैयार रखना है। आधार कार्ड व भामाशाह कार्ड का लिंक बैंक खाते से होना चाहिए। बैंक खाते का नम्बर व पास बुक की प्रति संलग्न करनी होगी।
3. राज्य सरकार के निर्देशानुसार एक विद्यार्थी एक ही छात्रवृत्ति के लिए पात्र होगा ।
4. पिता की वार्षिक आय का अधिकृत प्रमाण–पत्र भी लगाना आवश्यक है।
5. छात्रवृत्ति हेतु विद्यार्थियों को सूचना पट्ट पर समय–समय पर जानकारी दी जाएगी। अतः विद्यार्थी सूचना पट्ट का अवलोकन अवश्य करें।
6. समय पर आवेदन पत्र के साथ वांछित प्रमाण पत्र जमा नहीं करवाने की स्थिति में यदि विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित होता है तो वह इसके लिए स्वयं उत्तरदायी होगा।
7. विद्यार्थी ऑनलाईन आवेदन करते समय **अपने मोबाईल नम्बर का सही अंकन करें तथा इसे किसी भी स्थिति में परिवर्तित न करें, क्योंकि विभाग द्वारा छात्रवृत्ति संबंधी सूचना उसी मोबाईल नम्बर पर दी जाएगी।** साथ ही आवेदन पत्र से सम्बन्धित ID एवं Passward के नम्बर विद्यार्थी अपने पास सुरक्षित रखें । यह आगे की कक्षाओं में छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

7. **मेधावी विद्यार्थियों को संस्था द्वारा देय छात्रवृत्ति –** मेधावी विद्यार्थियों को संस्था द्वारा प्रतिवर्ष 'संस्थापक श्री वीरचन्द मेहता प्रतिभा पुरस्कार' के रूप में एक मुश्त राशि प्रदान की जाती है :–

1. उच्च माध्यमिक (सीनियर) परीक्षा में क्रमशः 90/75% व अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रायोगिक शुल्क को छोड़कर शेष शुल्क पर क्रमशः 40@20% **राशि छात्रवृत्ति के रूप में देय होगी।**
2. विश्वविद्यालयी परिक्षाओं में कला/वाणिज्य/विज्ञान व बी.सी.ए. संकाय में क्रमशः 70/75/80% व अधिक अंक प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों को प्रायोगिक शुल्क को छोड़कर शेष शुल्क पर **20% राशि छात्रवृत्ति के रूप में देय होगी।**
3. विश्वविद्यालय परीक्षाओं में तृतीय वर्ष कला, वाणिज्य, विज्ञान एवं बी.सी.ए प्रत्येक संकाय में प्रथम श्रेणी के साथ सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले तीन–तीन विद्यार्थियों को ट्रॉफी के साथ क्रमशः 2100 ₹, 1500 ₹ एवं 1100 ₹ नकद राशि से पुरस्कृत किया जाएगा ।

8. **जरुरत आधार पर संस्था द्वारा देय सहायता–** अल्प आय परिवार के विद्यार्थियों को संस्था द्वारा " सेठ श्री छगनलाल जैन शिक्षा सहायता" के रुप में आर्थिक सहायता देय है। आवेदन प्राप्त होने पर इसका निर्णय प्रबन्धन द्वारा बजट अनुसार लिया जाता है।

3. पदक एवं पुरस्कार :

1. ikpk;l ind & शैक्षिक एवं सह–शैक्षिक गतिविधियों में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त करने, अनुशासित सहयोगी एवं नेतृत्व की क्षमता रखने वाले एक श्रेष्ठ विद्यार्थी को यह पुरस्कार प्रदान किया जावेगा।
2. वार्षिक समारोह के अवसर पर सत्र में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ घोषित विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।
3. J"B f[kykMh o ,FkyhV & स्पोर्ट्स के बेस्ट एथलीट तथा खेलों में व्यक्तिगत रूप से श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को चैम्पियन का पुरस्कार दिया जाएगा।

विविध प्रवृत्तियाँ

विद्यार्थियों में नेतृत्व एवं संगठन कौशल का विकास करने तथा विविध प्रवृत्तियों के संचालन हेतु प्रतिवर्ष निम्नानुसार परिषदों का गठन किया जाता है –

1. शैक्षिक परिषदें – 1. कला एवं सामाजिक विज्ञान परिषद् 2. वाणिज्य परिषद् 3. विज्ञान परिषद्
   कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों से इन परिषदों का गठन किया जाता है। इन परिषदों के पदाधिकारियों का मनोनयन विगत सत्र की परीक्षाओं में प्राप्तांकों की वरीयता के आधार पर प्राचार्य द्वारा किया जाता है।
   अध्ययन की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण समसामयिक विषयों पर परिषदों में चर्चा व गोष्ठियां आयोजित की जाती है। निष्णात विद्वानों के प्रसार भाषण आयोजित किए जाते हैं तथा निबन्ध पाठ, पत्र वाचन, वाद–विवाद आदि प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाता है।
2. छात्र संघ के चुनाव नहीं – सम्यक ज्ञान पीठ कार्यकारिणी के आदेश पत्र क्रमांक 633 दिनांक 11–03–2017 के द्वारा विद्यार्थियों के व्यापक हित में निर्णय अनुसार अब इस महाविद्यालय में चुनाव नहीं होते हैं। सत्र 2022–23 में सह शैक्षणिक प्रवृत्तियों के संचालन हेतु महाविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से छात्र–कल्याण परिषद का गठन किया जाएगा।
3. महाविद्यालय क्रीड़ा एवं खेलकूद परिषद (स्पोर्ट्स बोर्ड) – महाविद्यालय द्वारा आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रत्येक विद्यार्थी को स्पोर्ट्स बोर्ड का सदस्य बनना आवश्यक होगा। इस हेतु निर्धारित शुल्क जमा करवाना होगा। महाविद्यालय स्पोर्ट्स बोर्ड के सदस्य विद्यार्थी ही मो.ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगे।
4. राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS, 2 यूनिट) – इस योजना के अन्तर्गत विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय एकता के प्रति जागरूकता, साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, एड्स के प्रति चेतना एवं निराकरण, महिला विकास एवं उत्थान तथा बंजर भूमि विकास, राष्ट्रीय एवं राज्य सरकार के द्वारा संचालित जनहित एवं विकास कार्यक्रमों की जानकारी देने आदि कार्यक्रमों को एकीकृत रूप में NSS के साथ जोड़ा गया है। इस राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक समाज में नेतृत्व की भूमिका का निर्वाह कर सकते है। कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर एन.एस.एस. की सदस्यता हेतु आवेदन करें।
5. युवा विकास केन्द्र – सदस्य विद्यार्थियों को रोजगार, प्रतियोगी परिक्षाओं एवं व्यक्तित्व विकास से सम्बन्धित जानकारियाँ प्रदान की जाती है।
6. रोजगार परामर्श केन्द्र– प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी के लिए मार्गदर्शन दिया जाता है।
7. रेड रिबन क्लब – इसके अन्तर्गत बीमारियों की रोकथाम एवं इससे बचाव के लिए युवाओं को जागरूक किया जाता है । समय–समय पर रक्तदान शिविर एवं ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता अभियान भी संचालित है ।
8. efgyk i:dk"B & महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ का भी गठन किया जाता है । इसके अन्तर्गत छात्राओं को आत्म रक्षा, जागरूकता वं राष्ट्रीय प्रवृतियों की जानकारी दी जाती हैं।

9. o{kkjki.k ;ktuk & महाविद्यालय द्वारा एक सौ ट्री गार्ड बनवाए गए हैं। विद्यार्थियों को ट्री गार्ड तथा बड़े आकार के पौधे देकर उनको तीन वर्ष तक सम्भालने व सुरक्षा की जिम्मेदारी दी जाएगी। इस योजना में विद्यार्थियों का विशिष्ठ सम्मान कर प्रमाण पत्र दिये जाएंगे।

विशेष – राष्ट्रीय एवं सामाजिक सरोकार सेवा एवं केरियर निर्माण के लिए उपर्युक्त में से किसी एक का सदस्य बनना विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है। युवा कौशल परामर्श प्रकोष्ठ के प्रभारी प्राध्यापक से परामर्श कर सदस्य बन सकते है।

पुस्तकालय एवं वाचनालय

विद्यार्थी के जीवन में पुस्तकालय सर्वाधिक विश्वसनीय एवं प्रमुख मित्र की भूमिका निभाता है। पुस्तकालय पीढ़ियों के लिए संचित ज्ञान का केन्द्र है। प्रत्येक विद्यार्थी को पुस्तकों का सदुपयोग कर अपने जीवन का निर्माण करना चाहिए।

महाविद्यालय पुस्तकालय के नियम :

1. महाविद्यालय में शुल्क जमा हो जाने पर पुस्तकालय से नियमानुसार दो रीडर्स टिकिट मिलेंगे, जिनसे प्रत्येक टिकिट पर घर ले जाने के लिए एक पुस्तक दी जाएगी। पुस्तक 14 दिन में पुनः लौटानी होगी, अन्यथा एक रूपया प्रतिदिन विलम्ब शुल्क लगेगा। समय पर पुस्तकें जमा नहीं कराने पर इस सुविधा से वंचित भी किया जा सकता है।
2. परिचय–पत्र दिखाने पर ही पुस्तकालय में प्रवेश एवं घर के लिए पुस्तक मिल सकेगी।
3. पुस्तकालय में प्रवेश के पूर्व व्यक्तिगत सामग्री सम्बन्धित कर्मचारी को सौंपनी होगी।
4. पुस्तकों को अनावश्यक बिखेरना, छिपाना, नाम लिखना, लाइन या चिह्न बनाकर खराब करना या फाड़ना दण्डनीय अपराध है। ऐसे विद्यार्थियों से पुस्तक का दो–गुना मूल्य लिया जाएगा तथा अनुशासनात्मक कार्यवाही भी की जाएगी।

गणवेश

1. सभी छात्राओं को नियमित रूप से निर्धारित गणवेश में आना अनिवार्य है। छात्राओं हेतु चेक्स कुर्ता (प्रथम वर्ष छात्राओं को कॉलेज से निःशुल्क) तथा सफेद सलवार गणवेश हेतु निर्धारित है। विवाहित छात्राएँ निर्धारित साड़ी पहन सकती हैं।
2. छात्राएं प्रत्येक गुरुवार को सामान्य कलर पोशाक पहन सकती है, परन्तु बिना आस्तिन के (Sleeveless) टॉपर तथा छेद वाली कटी–फटी पेंट महाविद्यालय में गुरुवार की पोशाक में सम्मिलित नहीं है।
3. छात्रों हेतु अनिवार्य रुप से कोई भी सामान्य पेंट व शर्ट गणवेश में मान्य होगी। टी शर्ट, जब्बा पायजामा या अन्य कोई भी पोशाक पहनकर महाविद्यालय में प्रवेश नहीं करें।
4. पोशाक के संदर्भ में महाविद्यालय का निर्णय अंतिम होगा।

सुश्री टीना त्रिपाठी

महाविद्यालय गौरव

मो.ला. सुखाड़िया विश्वविद्यालय

बी.ए. मेरिट में 4th Rank

हार्दिक बधाई उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ

मो.ला. सु. विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम 2021
महाविद्यालय प्रतिभाएँ (कक्षा में प्रथम)

युवराज पालीवाल
बी.एस.सी. मैथ्स (प्रथम वर्ष)
82.29 %

कृष्णा माली
बी.एस.सी. मैथ्स (द्वितीय वर्ष)
74.37 %

रितिका सेन
बी.एस.सी. मैथ्स (तृतीय वर्ष)
89.36 %

हिमांशी गर्ग
बी.एस.सी. बायो (प्रथम वर्ष)
85.60 %

रुहीन बानु मेवाती
बी.एस.सी. बायो (द्वितीय वर्ष)
89.33 %

ललिता मेनारिया
बी.एस.सी. बायो (तृतीय वर्ष)
87.11 %

कंचन गाडरी
बी.ए. (प्रथम वर्ष)
83.00 %

सुनिता जाट
बी.ए. (प्रथम वर्ष)
83.00 %

हर्षिता पुरोहित
बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
83.83 %

कोमल शर्मा
बी.ए. (तृतीय वर्ष)
80.32 %

अंतिमा पंवार
बी.सी.ए. (द्वितीय वर्ष)
75.70 %

सृष्टि विजयवर्गीय
बी.सी.ए. (तृतीय वर्ष)
72.81 %

रविना जाट
बी.कॉम (प्रथम वर्ष)
85.00 %

सिमरन सेठिया
बी.कॉम (द्वितीय वर्ष)
82.29 %

छवि मालीवाल
बी.कॉम (तृतीय वर्ष)
67.81 %

YOUR ACHIEVEMENTS ARE OUR SUCCESS

महाविद्यालय की खेल प्रतिभाएँ

मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय टीम में चयनित विद्यार्थी

सत्र 2018-19

हरिश जाट
(20 किमी.वॉक)
अखिल भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालय
स्तर पर चयनित

अर्जुन सिंह चुण्डावत
(खो-खो)

गौरव मेनारिया
(फुटबाल)

वर्षा चौधरी
(वॉलीबाल)

सत्र 2019-20

दुर्गा कुंवर राणावत
(कबड्डी)

सत्र 2021-22

सीता जाट
(200 मीटर दौड़ में रजत पदक)

सीमा जाट
(वॉलीबाल)

सत्र 2021-22 में सम्पन्न गतिविधियाँ

20 अक्टूबर 2021, को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गांधी जी और शास्त्री जी की जन्म जयंती मनाई गई। प्राचार्य श्री ने कहा कि गांधी जी का मूल मंत्र था कि जो परिवर्तन आप समाज में चाहते हो उसे पहले खुद पर लागू करें यही मूल मंत्र व्यक्ति को सामान्य से विशेष बनाता है।

10 दिसम्बर 2021, को महाविद्यालय में NSS इकाईयों द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया गया। मुख्य वक्ता शिखा बहल, नालन्दा स्किल विंग्स, उदयपुर ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। उन्होंने छात्र -छात्राओं को कॅरियर गाइडेन्स एवं स्किल डेवलपमेंट के मन्त्र दिए।

22 दिसम्बर 2021, को महाविद्यालय में सहराज भाषा अंग्रेजी के महत्व पर सेमिनार का आयोजन किया। मुख्य अतिथि अंजली बरार, नालन्दा स्किल विंग्स, उदयपुर ने वर्तमान समय में अंग्रेजी के महत्व पर चर्चा की, साथ ही उन्होंने सार्वभौमिक भाषा अंग्रेजी के अनुप्रयोग सम्बन्धी त्रुटियों और चुनौतियों से अवगत कराया।

06 जनवरी 2022, को महाविद्यालय के विज्ञान संकाय के वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता हुई। वनस्पति शास्त्र सह आचार्य सुश्री ऋतु राणावत के निर्देशन में विद्यार्थियों ने कोरोना महामारी एवं ग्लोबल वॉर्मिंग विषय पर पोस्टर निर्माण किए।

08 जनवरी 2022 को महाविद्यालय में 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं को कोविशिल्ड की प्रथम और द्वितीय डोज लगाई गई। यह कार्य CHC फतहनगर की टीम द्वारा सम्पन्न किया गया।

12 जनवरी 2022, को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई I और II का सप्तदिवसीय शिविर प्रारम्भ हुआ। इस दिन विवेकानन्द जयंती के उपलक्ष्य में युवा दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि C.R. सेठ प्रधानाचार्य रा.बा.उ.मा.वि. फतहनगर ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विवेकानंद बनाए नहीं जाते अपनी प्रतिभा और समर्पण से विवेकानंद बनते हैं।

13 जनवरी 2022, को चरित्र उन्नयन पर सेमिनार का आयोजन किया। मुख्य वक्ता श्रीमान ताज मोहम्मद (KBC विजेता) प्रधानाचार्य, मोड़सिंह रा.उ.मा.वि. कांकरवा ने कहा कि जीवन में तनाव और अवसाद बड़े शत्रु हैं। जिसका कोई उपचार नहीं। हमें दूसरों को प्रभावित करने का प्रयास छोड़कर स्वयं के चरित्र उन्नयन पर ध्यान देना चाहिए।

14 जनवरी 2022, को NSS इकाई द्वारा गोद लिए गॉव चुण्डावत खेड़ी में मास्क वितरण का कार्यक्रम किया गया। टीम द्वारा रा.उ.मा.वि. चुण्डावत खेड़ी के खेल मैदान में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्राचार्य डॉ. ललित कुमावत, कार्यक्रम अधिकारी श्री राकेश छीपा और श्री देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने किया।

13-01-2022 से 18-01-2022 के बीच कलश-2022 का आयोजन किया गया जिसके तहत् रंगोली प्रतियोगिता, मेंहदी प्रतियोगिता, निबन्ध एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता तथा खेलकूद एवं क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस वार्षिक रंगारंग कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने काफी अच्छी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

15 जनवरी 2022, को महाविद्यालय में मानवाधिकार पर विधिक जानकारी विषय पर व्याख्यान रखा गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्रीमान शैलेश पालीवाल अधिवक्ता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष नगरपालिका, सनवाड़ ने इस अवसर पर मानवाधिकार, सूचना का अधिकार, उपभोक्ता संरक्षण और महिला संरक्षण जैसे कई अधिकारों पर चर्चा की।

17 जनवरी 2022, को महाविद्यालय में जॉब प्लेसमेंट केम्प का आयोजन किया गया। इसके तहत् NIIT जयपुर के द्वारा ICICI BANK के लिए वॉक-इन-इन्टरव्यू हुए। महाविद्यालय के 120 पूर्व विद्यार्थियों ने इसमें अपना नामांकन करवाया।

18 जनवरी 2022, को महाविद्यालय मे राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सप्त दिवसीय शिविर का समापन हुआ। समापन सत्र में मुख्यवक्ता श्रीमती सोना टांक प्रधानाचार्या रा.उ.मा.वि. फतहनगर ने कहा कि NSS स्कीम हमें समाज से जुड़ने का अवसर प्रदान करती है, और यह हमारे अन्दर सामूहिकता और उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करती है।

24 जनवरी 2022, को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के तहत् राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। मुख्य वक्ता महाविद्यालय सचिव श्री मनोहरलाल कावड़िया ने कहा कि पितृ सत्तात्मक समाज में बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है, अत: बालिकाओं को भी निर्णय लेने का अधिकार मिलना चाहिए।

01 फरवरी 2022, को महाविद्यालय में भूगोल विभाग द्वारा मॉडल एवं चार्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें विद्यार्थियों ने विभागाध्यक्ष डॉ. शारदा जोशी के निर्देशन में सोलर सिस्टम ग्लोबल वार्मिंग, रॉकेट जलीय बाँध, नदी द्वारा निर्मित स्थलाकृतियों, सिंचाई संसाधन इत्यादि भौगोलिक तथ्यों पर मॉडल और चार्ट का निर्माण किया।

08 मार्च 2022, को महाविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. ऋचा माथुर उपाचार्या राजकीय महाविद्यालय मावली के साथ महाविद्यालय की डॉ. मोनिका जैन, व्याख्याता व्यावसायिक प्रशासन और श्रीमती रेखा मेहता पुस्तकालय अध्यक्ष का सम्मान किया गया।

09 अप्रेल 2022, को महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें 101 प्रतिभाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया तथा विश्वविद्यालय स्तर पर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाली दो छात्राओं को ट्रेक सूट देकर सम्मानित किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय परीक्षा-2021 में भाग लेकर महाविद्यालय के कला, वाणिज्य, विज्ञान और बी.सी.ए. संकाय के तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर क्रमशः 2100, 1500 एवं 1100 रुपये नकद राशि से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमान् कैलाश जी अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि कैलाश जी खण्डेलवाल, हिम्मत लाल जी दुग्गड और श्रीमान् नितिन जी सेठिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री चोसर लाल जी कच्छारा ने की।

16 अप्रेल 2022, को स्व. श्री पुरूषोत्तम लाल जी पालीवाल की पुण्य स्मृति में, लायन्स क्लब फतहनगर के साथ मिलकर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्त संग्रहण RNT मेडिकल टीम द्वारा लिया गया। इस शिविर में विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं नगर जनों के सहयोग से 59 युनिट रक्तदान हुआ।

समाचार पत्रों में महाविद्यालय गतिविधियाँ

शैक्षणिक सत्र सारणी 2022-23

प्रथम भाग - प्रवेश कार्यक्रम

1. आवेदन पत्र विक्रय प्रारंभ : आयुक्तालय द्वारा निर्धारित तिथि से
2. आवेदन पत्र जमा होने की अंतिम तिथि : प्रारम्भ तिथि से 15 दिवस
3. अंतरिम प्रवेश सूची का प्रकाशन : आयुक्तालय द्वारा निर्धारित तिथि से
4. शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि : आयुक्तालय द्वारा निर्धारित तिथि से
5. प्रवेशित विद्यार्थियों की सूची का प्रकाशन : आयुक्तालय द्वारा निर्धारित तिथि से
6. शैक्षणिक सत्र एवं शिक्षण कार्य प्रारम्भ : राज्य सरकार के आदेशानुसार
7. स्नातक पार्ट द्वितीय एवं तृतीय में अस्थायी प्रवेश आवेदन पत्र एवं शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि : आयुक्तालय द्वारा निर्धारित तिथि से
8. अध्यापन प्रारम्भ : राज्य सरकार के आदेशानुसार

नोट :-महाविद्यालय के नियमित विद्यार्थियों को अपनी कक्षाओं का परीक्षा परिणाम घोषित हुए बिना ही अगली द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाओं में निर्धारित तिथि तक प्रवेश लेना अनिवार्य है। अध्यापन प्रारम्भ होने की तिथि से ही उपस्थिति की गणना की जावेगी।

द्वितीय भाग - सत्र की गतिविधियां एवं अवकाश

1. अध्यापन कार्यारम्भ (सभी कक्षाओं में) : राज्य सरकार के आदेशानुसार
2. शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक छात्र परिषदों का गठन : राज्य सरकार के आदेशानुरूप
3. प्रथम कक्षा टेस्ट : सितम्बर/अक्टूबर 2022 में
4. विश्वविद्यालय नामांकन : विश्वविद्यालय के आदेशानुरूप तिथि तक
5. अवकाश- दशहरा : आयुक्तालय द्वारा निर्धारित तिथि से
5. अवकाश-दीपावली : आयुक्तालय द्वारा निर्धारित तिथि से
6. द्वितीय कक्षा टेस्ट : दिसम्बर 2022 में
7. शीतकालीन अवकाश : आयुक्तालय द्वारा निर्धारित तिथि से
8. सह-शैक्षिक गतिविधियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम : आयुक्तालय द्वारा निर्धारण अनुसार
9. विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा : जनवरी 2023 तक
10. प्रायोगिक परीक्षाऐं : विश्वविद्यालय के अनुसार
11. परीक्षा पूर्व अवकाश : विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि से
12. वार्षिक परीक्षाओं का प्रारम्भ : विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि से
13. सत्र का अन्तिम कार्य दिवस : 30-06-2023
14. नवीन सत्र प्रारम्भ (सत्र 2023-24) : 01-07-2023

नोट :-1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमानुसार 180 शैक्षणिक दिवस होने आवश्यक है।
2. राज्य सरकार एवं विश्वविद्यालय के नियमानुसार प्रत्येक विषय एवं प्रश्न पत्र में 75 प्रतिशत उपस्थिति विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है।

महावीर अम्बेश गुरु महाविद्यालय विकास समिति (ट्रस्ट-मण्डल)

महाविद्यालय के विकास हेतु संस्था को बड़ी आर्थिक सहायता देने वाले प्रमुख गणमान्य भामाशाह

H	श्रीमान् मनोहरलाल जी कावड़िया, फतहनगर	मुख्य ट्रस्टी
H	श्रीमान् नरेन्द्र कुमार जी जैन, मुम्बई	ट्रस्टी
H	श्रीमान् मनोहरलाल जी लोढ़ा, पुणे	ट्रस्टी
H	श्रीमान् दिनेश चन्द्र जी कावड़िया, टेक्नोय मोटर्स, उदयपुर	ट्रस्टी
H	श्रीमान् महेश चन्द्र जी कोठारी, मुम्बई	ट्रस्टी
H	श्रीमान् डुंगरमल जी हिंगड़, वापी	ट्रस्टी
H	श्रीमान् मांगीलाल जी बड़ालमिया, सनवाड़	ट्रस्टी
H	श्रीमान् रमेश कुमार जी तलेसरा, वापी	ट्रस्टी
H	श्रीमान् चुन्नीलाल जी, चन्द्रप्रकाश जी विसलोत, सनवाड़, मुम्बई	ट्रस्टी
H	श्रीमान् बिहारीलाल जी अग्रवाल, फतहनगर	ट्रस्टी
H	श्रीमान् नेमीचन्द जी धाकड़, मुम्बई	ट्रस्टी
H	श्रीमान् भंवरलाल जी बड़ालमिया, मुम्बई	ट्रस्टी
H	श्रीमान् रिखबलाल जी सांखला, मुम्बई	ट्रस्टी
H	श्रीमान् अब्बास अली जी बोहरा, बोहरा मोटर्स, फतहनगर	ट्रस्टी
H	श्रीमान् कन्हैयालाल जी दिलीप कुमार जी सामर, मुम्बई	ट्रस्टी
H	श्रीमान् आनन्दीलाल जी सुराणा, मुम्बई	ट्रस्टी
H	श्रीमान् प्रहलाद जी परसराम जी सा. सोनी, फतहनगर	ट्रस्टी
H	श्रीमान् ललित कुमार जी बाबेल, दरीबा	ट्रस्टी

महावीर अम्बेश गुरु महाविद्यालय प्रबन्ध समिति

1.	श्री चोसर लाल जी कच्छारा	उदयपुर	चेयरमेन
2.	श्री नरेन्द्र कुमार जी जैन	फतहनगर–मुम्बई	अध्यक्ष
3.	श्री गजेन्द्र जी मेहता	उदयपुर	संचालक, कार्यकारी अध्यक्ष
4.	श्री हिम्मत लाल जी दुगड़	उदयपुर	उपाध्यक्ष
5.	श्री पंकज कुमार जी हड़पावत	उदयपुर	उपाध्यक्ष
6.	श्रीमती विजयमाला जी नागौरी (EX.A.DEO)	उदयपुर	उपाध्यक्षा
7.	श्री मनोहरलाल जी कावड़िया	फतहनगर	सचिव
8.	श्री जयप्रकाश जी भण्डारी	उदयपुर	कोषाध्यक्ष
9.	श्रीमती डॉ. मोनिका जी कोठारी	उदयपुर	सदस्या
10.	श्रीमती डॉ. जयश्री जी नागौरी	उदयपुर	सदस्या
11.	श्रीमती पारुल जी जैन (C.A.)	जयपुर	सदस्या
12.	श्रीमती डॉ. मंजु जी चौधरी	उदयपुर	सदस्या
13.	श्री मांगीलाल जी सांखला	फतहनगर	सदस्य
14.	श्री डी.एन. नागदा (पूर्व प्राचार्य)	उदयपुर	सदस्य
15.	महावीर अम्बेश गुरु कॉलेज (प्राचार्य प्रतिनिधि)	फतहनगर	सदस्य
16.	एम.एल.एस.यु. (विश्वविद्यालय प्रतिनिधि)	उदयपुर	सदस्य
17.	श्री शैलेश कुमार जी पालीवाल, एडवोकेट	मावली–फतहनगर	सदस्य
18.	प्रतिनिधि आयुक्त, कॉलेज शिक्षा	जयपुर	सदस्य
19.	श्रीमती निर्मला जी औदिच्य (अभिभावक प्रतिनिधि)	उदयपुर	सदस्या
20.	श्रीमती रेखा मेहता (स्टाफ प्रतिनिधि)	फतहनगर	सदस्या
21.	सुश्री नीलम विसलोत (पूर्व विद्यार्थी)	सनवाड़	सदस्या

विशेष आमंत्रित

1.	श्री बलवन्त कुमार जी शर्मा (अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट अम्पायर)	उदयपुर,जयपुर
2.	श्री डॉ. दिनेश जी माण्डोत	अजमेर
3.	श्री सुनिल जी सामोता	फतहनगर
4.	श्री अशोक जी जैन	फतहनगर

संकाय सदस्य (सत्र 2021–22 में सेवारत)

1.	डॉ. ललित कुमावत	प्राचार्य	M.A. Ph.D.,P.D.F.

कला संकाय

1.	श्री राकेश छीपा	प्राध्यापक, HOD	M.A. (Hindi) NET
2.	डॉ. टीना सियाल	प्राध्यापक	M.A. (Sanskrit) Ph.D.
3.	श्री देवेन्द्र सिंह राठौड़	प्राध्यापक	M.A. (History)
4.	श्री अशोक कुमार	प्राध्यापक	M.A. (Pol.Sc),NET
5.	डॉ. शारदा जोशी	प्राध्यापक	M.A. (Geog.)Ph.D.,NET, M.phil

वाणिज्य संकाय

1.	डॉ. मोनिका जैन	प्राध्यापक HOD	M.Com.,Ph.D., MBA
2.	सुश्री आयुषी बागरेचा	प्राध्यापक	M.Com. , C.S.
3.	श्री लवेश श्रीमाली	प्राध्यापक	M.Com. , NET

विज्ञान संकाय

1.	श्री कैलाश चन्द्र सेन	प्राध्यापक HOD	M.SC. (Chem.)
2.	श्री ललित सिंह राव	प्राध्यापक	M.SC. (Maths)
3.	सुश्री मानसी मण्डोवरा	प्राध्यापक	M.SC. (Physics)
4.	सुश्री ऋतु कंवर राणावत	प्राध्यापक	M.SC. (Botany)
5.	श्री बद्रीलाल जाट	प्राध्यापक	M.SC. (Zoology)

बी.सी.ए. संकाय

1.	डॉ. दिव्या श्रीमाली	प्राध्यापक	Ph.D., M.SC.(IT)

पुस्तकालय

1.	श्रीमती रेखा मेहता	पुस्तकालयाध्यक्ष	M.A., M.LIB.

शैक्षणेत्तर कर्मचारी

1.	श्री उदयलाल कुम्हार	कार्यालय अधिक्षक	B.A.,D.C.A.
2.	श्री विरेन्द्र पालीवाल	कनिष्ठ लिपिक	M.A., PGDCA
3.	श्री रोशनलाल शर्मा	कार्या. सहायक	12th
4.	श्री रामलाल गाडरी	शारिरीक शिक्षक	B.P.ED.
4.	श्रीमती लक्ष्मी मेनारिया	च.श्रे. कर्मचारी	
6.	श्री केशुदास वैरागी	च.श्रे. कर्मचारी	
7.	श्री भेरूलाल भील	च.श्रे. कर्मचारी	M.A.
8.	श्री रमेश वैरागी	ड्राईवर	
9.	श्री भंवरलाल पालीवाल	चौकीदार	

महाविद्यालय में अतिथि एवं विभिन्न प्रवृतियाँ

रक्तदाताओं को प्रमाण–पत्र वितरण

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री शान्तिलाल जी चपलोत

संस्था पूर्व अध्यक्ष श्री राजमल जी एस. जैन

महाविद्यालय में जॉब प्लेसमेन्ट केम्प

महाविद्यालय प्रतिभा पुरस्कार वितरण

विज्ञान संकाय का ओद्योगिक भ्रमण

महाविद्यालय पारितोषिक एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 2022 में प्रस्तुतियाँ

अन्य प्रवृत्तियाँ

महावीर विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय
गणेश घाटी, उदयपुर

महावीर विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय
सेक्टर 13, उदयपुर

महावीर विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय
सेक्टर 5, उदयपुर

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय सी.बी.एस.ई. (CBSE) से संबंध
सेक्टर 5, उदयपुर

महावीर विद्या मंदिर उच्च प्राथमिक विद्यालय
सेक्टर 5, उदयपुर

महाविद्यालय पुस्तकालय

महाविद्यालय रसायन विज्ञान प्रयोगशाला

महाविद्यालय वॉलीबाल प्रतियोगिता

महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता

मो. ला. सुखाड़िया अन्तर्महाविद्यालय खो-खो प्रतियोगिता
में लगातार तीसरी बार विजेता हमारी टीम

मो.ला. सुखाड़िया अन्तर्महाविद्यालय
वॉलीबाल प्रतियोगिता विजेता हमारी टीम

Jain Printers-9414239198